AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

# लविवि ने एनआईआरएफ के लिए किया दावा

## पहली बार एनआईआरएफ में तीन अलग-अलग रैंकिंग में हो रहा शामिल, पिछले कई दिनों से चल रही थी तैयारी

माई सिटी रिपोर्टर

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) रैंकिंग के लिए आवेदन किया है। विश्वविद्यालय पहली बार एनआईआरएफ में तीन अलग-अलग रैंकिंग में शामिल हो रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा पिछले काफी दिनों से इसके लिए न सिर्फ जरूरी डेटा जुटा रहा था बल्कि इसके लिए जरूरी कील-कांटे भी दुरुस्त कर रहा था। इसी क्रम में सभी विश्वविद्यालयों की रैंकिंग, मैनेजमेंट स्कूलों की रैंकिंग व लॉ

स्कूल रैंकिंग के लिए अपना आवेदन किया है। इस क्रम में मंत्रालय की ओर से विश्विद्यालय द्वारा दिए गए डेटा का वेरिफिकेशन किया जाएगा। अगर उन्हें कोई क्वेरी है तो वो विश्वविद्यालय से जवाब-तलब करेंगे। इसके बाद अगस्त-सितंबर में इसका परिणाम जारी होगा। आईक्यूएसी निदेशक प्रो. राजीव मनोहर ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय ने एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए अपनी प्रोफाइल प्रस्तुत कर दी है और आगे के चरणों के लिए तैयारी भी पूरी की है।

### टाइम्स रैंकिंग के लिए भी किया आवेदन

लखनऊ विश्वविद्यालय पिछले साल प्रतिष्ठित टाइम्स रैंकिंग, द इंडिया टुडे रैंकिंग, टाइम्स उभरती हुई अर्थव्यवस्था रैंकिंग, वेबमेट्रिक्स रैंकिंग में अपनी जगह बना चुका है। विश्वविद्यालय ने अपनी गूगल स्कॉलर स्थिति में भी उछाल हासिल की है। इसे देखते हुए विवि प्रशासन ने इस साल भी प्रतिष्ठित टाइम्स रैंकिंग के लिए आवेदन किया है। विवि को इसमें भी बेहतर परिणाम की उम्मीद है। विवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि फैकल्टी ऑफ लॉ को पहले से ही देश में सर्वश्रेष्ठ में से एक के रूप में मान्यता मिल चुकी है। वह 2020 में इंडिया टुडे यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 10वें स्थान पर भी शामिल रहा है।

### नैक के लिए भी पूरी तैयारी

विश्वविद्यालय प्रशासन नैक के लिए भी कमर कसकर तैयार है। विवि प्रशासन ने बताया कि हम नैक के लिए भी आवश्यक तैयारी कर चुके हैं। लॉकडाउन की वजह से इसमें आवेदन नहीं कर सके हैं। कुछ जरूरी सूचना एकत्र कर जल्दी ही इसके लिए भी आवेदन करेंगे। विवि का दावा है कि हाल में विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रकाशनों और शोध कार्यों में काफी वृद्धि हुई है। कई छात्र व शिक्षक सुविधाओं में भी वृद्धि की गई है, जिसका लाभ रैंकिंग में मिलेगा।

AMRIT VICHAR PAGE 3

# कम्प्यूटर साइंस में पीएचडी प्रवेश का रास्ता साफ

एलयू का मामला

अमृत विचार, लखनऊ।

लखनऊ विश्वविद्यालय में विवादों में फंसे कम्प्यूटर साइंस के पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया आगे बढ़ने का रास्ता खुल गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले सत्र से रुकी प्रवेश प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का फैसला ले लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का दावा है कि जल्द ही साक्षात्कार कराकर प्रवेश की प्रक्रिया पूरी होगी।कोविड प्रोटोकॉल के मद्देनजर यह साक्षात्कार ऑनलाइन कराने की तैयारी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग में विवाद चल रहे हैं। जानकारों की मानें तो विश्वविद्यालय प्रशासन और विभाग के बीच विवादों के चलते पिछले सत्र में पीएचडी में चल रही दाखिले की प्रक्रिया फंस गई थी। शिक्षक बताते हैं कि कंप्यूटर साइंस की पीएचडी में इंटरव्यू के लिए अलग विषय के शिक्षकों को भेजा जा रहा था, इसलिए पीएचडी प्रक्रिया पूरी नही हो सकी। वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपरिहार्य कारण बताकर पीएचडी प्रक्रिया को रोक दिया था। तभी से अभ्यर्थी यहां चक्कर लगा रहे हैं।प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि जल्द ही यह प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। 44 अभ्यर्थी प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हुए थे, इसमें से 18-19 को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। यह साक्षात्कार ऑनलाइन कराए गए हालांकि, इसको लेकर विभाग के स्तर पर काफी विरोध है। आरोप लग रहे हैं कि प्रशासन में बैठे कुछ लोग अपने लाभ के हिसाब से इस प्रवेश प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं।

# कंप्यूटर साइंस में पीएचडी प्रवेश के इंटरव्यू एक को

## लखनऊ विश्वविद्यालय : पिछले साल पीएचडी प्रवेश का मामला, ऑनलाइन होगी प्रक्रिया

माई सिटी रिपोर्टर

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग में सत्र 2019-20 के लंबित चल रहे पीएचडी प्रवेश का रास्ता साफ हो गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोविड-19 संक्रमण को देखते हुए अभ्यर्थियों का ऑनलाइन इंटरव्यू करने का निर्णय लिया है, जिसके लिए एक मई को सुबह 11 बजे की तिथि निर्धारित की गई है। अमर उजाला ने 7 अप्रैल को 'पिछले साल के प्रवेश हुए नहीं, नए साल की सीटें तय शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। इसमें बताया था कि विवि प्रशासन ने कंप्यूटर साइंस व होम साइंस में पिछले साल के प्रवेश किए नहीं और सत्र 2020-21 में कंप्यूटर साइंस में सीटों का फिर से निर्धारण भी कर दिया।

अमर उजाला इंपैक्ट

विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसके बाद प्रवेश के रास्ते की बाधा को दूर करने की कवायद शुरू की। विभाग में इसे लेकर चल रही खींचतान को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश समन्वयक को इसकी जिम्मेदारी दी। जानकारी के अनुसार इसके बाद प्रवेश इंटरव्यू के लिए विशेषज्ञ के पैनल बनाकर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से एप्रूव कराया गया, किंतु कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण विश्वविद्यालय में विभाग नहीं खुल रहे हैं और क्लास भी ऑनलाइन ही चल रही है। अभी आगे भी विवि में विभाग स्तर पर काम सामान्य होने की स्थिति नहीं दिख रही है। इसे देखते हुए विवि ने पिछले पीएचडी प्रवेश के लिए ऑनलाइन इंटरव्यू आयोजित करने का निर्णय लिया है।

प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने कहा कि पीएचडी प्रवेश के लिए योग्य अभ्यर्थियों को एक मई को सुबह 11 बजे ऑनलाइन इंटरव्यू के लिए मेल भेजा गया है। एक दर्जन से अधिक विद्यार्थी इसके लिए योग्य पाए गए हैं। प्रवेश के लिए विभाग से समन्वय स्थापित किया गया है। पिछले साल की प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही अगले प्रवेश को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी। इसलिए इसे जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि होम साइंस के मामले में भी जल्द डीआरसी की बैठक कराकर उसका भी निस्तारण किया जाएगा। बता दें कि लविवि की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया अभी भी एक साल पीछे चल रही है। एक तरफ जहां नए सत्र 2021-22 के यूजी-पीजी की प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। वहीं, पीएचडी में अभी सत्र 2020-21 के ही प्रवेश आवेदन लिए जा रहे हैं, जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन 03 मई तक होंगे।

HINDUSTAN PAGE 6

# कम्प्यूटर साइंस में पीएचडी दाखिले का रास्ता खुला

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय में विवादों में फंसे कम्प्यूटर साइंस के पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया आगे बढ़ने का रास्ता खुल गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले सत्र से रुकी प्रवेश प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का फैसला ले लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का दावा है कि जल्द ही साक्षात्कार कराकर प्रवेश की प्रक्रिया पूरी होगी।कोविड प्रोटोकॉल के मद्देनजर यह साक्षात्कार ऑनलाइन कराने की तैयारी है।

कम्प्यूटर साइंस विभाग में विवाद चल रहे हैं। जानकारों की मानें तो एलयू प्रशासन और विभाग के बीच विवादों के चलते पिछले सत्र में पीएचडी में चल रही दाखिले की प्रक्रिया फंस गई थी। शिक्षक बताते हैं कि कंप्यूटर साइंस की पीएचडी में इंटरव्यू के लिए अलग विषय के शिक्षकों को भेजा जा रहा था, इसलिए पीएचडी प्रक्रिया पूरी नही हो सकी। वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपरिहार्य कारण बताकर पीएचडी प्रक्रिया को रोक दिया था। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि जल्द ही यह प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4

# एलयू कंप्यूटर साइंस में पीएचडी दाखिले का रास्ता खुला

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ विश्वविद्यालय में विवादों में फंसे कम्प्यूटर साइंस के पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया आगे बढ़ने का रास्ता खुल गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले सत्र से रुकी प्रवेश प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का फैसला ले लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का दावा है कि जल्द ही साक्षात्कार कराकर प्रवेश की प्रक्रिया पूरी होगी।कोविड प्रोटोकॉल के मद्देनजर यह साक्षात्कार ऑनलाइन कराने की तैयारी है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग में विवाद चल रहे हैं।जानकारों की मानें तो विश्वविद्यालय प्रशासन और विभाग के बीच विवादों के चलते पिछले सत्र में पीएचडी में चल रही दाखिले की प्रक्रिया फंस गई थी।शिक्षक बताते हैं कि कंप्यूटर साइंस की पीएचडी में इंटरव्यू के लिए अलग विषय के शिक्षकों को भेजा जा रहा था, इसलिए पीएचडी प्रक्रिया पूरी नही हो सकी। वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपरिहार्य कारण बताकर पीएचडी प्रक्रिया को रोक दिया था। तभी से अभ्यर्थी यहां चक्कर लगा रहे हैं। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि जल्द ही यह प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। 44 अभ्यर्थी प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हुए थे, इसमें से 18.19 को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। यह साक्षात्कार ऑनलाइन कराए गए हालांकि, इसको लेकर विभाग के स्तर पर काफी विरोध है। आरोप लग रहे हैं कि प्रशासन में बैठे कुछलोग अपने लाभ के हिसाब से इस प्रवेश प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं।

**ये है विवादः** विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. ब्रजेश सिंह ने विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष पद को लेकर अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है। इसको लेकर विवाद की स्थिति है। उनका दावा है कि वह वरिष्ठ हैं। फिल्हाल शिक्षा संकाय की एक वरिष्ठ शिक्षिका को इस संकाय की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

i-NEXT PAGE 4

### ऑनलाइन योग आयुर्वेद शुरू

**एलयू में फैकल्टी ऑफ रूट एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन ने ऑनलाइन ही योग और आयुर्वेद सहित प्राकृतिक चिकित्सा पर वेबीनार आयोजित किया. वेबिनार के माध्यम से महामारी के दौरान स्वास्थ्य प्रबंधन को लेकर विशेषज्ञ अपनी राय रख रहे हैं, जिसमें बताया जा रहा है कि योग, प्राणायाम, आयुर्वेद, उचित आहार विहार के माध्यम से इस महामारी से हम कैसे निजात पा सकते हैं. कार्यक्रम में बताया जा रहा है कि आंतरिक और बाह्य स्वच्छता का क्या महत्व है सूर्य नमस्कार और सुबह की सूर्य की किरणों का हमारी इम्यूनिटी को बढ़ाने में क्या योगदान है.**

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

# एलयू कम्प्यूटर साइंस में पीएचडी दाखिले का रास्ता खुला

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विवादों में फंसे कम्प्यूटर साइंस के पीएचडी प्रवेश की प्रक्रिया आगे बढ़ने का रास्ता खुल गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले सत्र

### -साक्षात्कार कराने का लिया फैसला

से रुकी प्रवेश प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का फैसला ले लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का दावा है कि जल्द ही साक्षात्कार कराकर प्रवेश की प्रक्रिया पूरी होगी।कोविड प्रोटोकॉल के मद्देनजर यह साक्षात्कार ऑनलाइन कराने की तैयारी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग में विवाद चल रहे हैं। जानकारों की मानें तो विश्वविद्यालय प्रशासन और विभाग के बीच विवादों के चलते पिछले सत्र में पीएचडी में चल रही दाखिले की प्रक्रिया फंस गई थी। शिक्षक बताते हैं कि कंप्यूटर साइंस की पीएचडी में इंटरव्यू के लिए अलग विषय के शिक्षकों को भेजा जा रहा था, इसलिए पीएचडी प्रक्रिया पूरी नही हो सकी। वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपरिहार्य कारण बताकर पीएचडी प्रक्रिया को रोक दिया था। तभी से अभ्यर्थी यहां चक्कर लगा रहे हैं।प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि जल्द ही यह प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। 44 अभ्यर्थी प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हुए थे, इसमें से 18-19 को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। यह साक्षात्कार ऑनलाइन कराए गए हालांकि, इसको लेकर विभाग के स्तर पर काफी विरोध है। आरोप लग रहे हैं कि प्रशासन में बैठे कुछ लोग अपने लाभ के हिसाब से इस प्रवेश प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं।

**ये है विवाद**

विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. ब्रजेश सिंह ने विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष पद को लेकर अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है। इसको लेकर विवाद की स्थिति है। उनका दावा है कि वह वरिष्ठ हैं। फिल्हाल शिक्षा संकाय की एक वरिष्ठ शिक्षिका को इस संकाय की जिम्मेदारी सौंपी गई है।